माया से अपनी सम्भाल करनी
अपनी ऊँच तक़दीर पर लकीर नही खींचनी
राजयोगी का मुख्य कर्तव्य पढ़ना और पढ़ाना
घर गृहस्थ में रह एक बाप को याद करना
अल्फ और बे में ही सारी पढ़ाई का सार
बाप और वर्से को पाना तो जीते जी मारना
पुरानी दुनिया से बुद्धि योग हटाना
उल्टी-सुल्टी बात सुन संशय में नही आना
वानप्रस्थी सदा एकांत में रह सिमरण करते
सदा एक की ही याद में समाये रहते
समान बनना ही होता समाना
हिम्मत का एक कदम बढ़ाना
बाप की मदद हज़ार कदम पाना

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!